सोमवार
15 जून 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 142
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सुरेश राठौर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। पूर्व भाजपा विधायक सुरेश राठौर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला बहुचर्चित अंकिता भण्डारी हत्याकांड से जुड़ा हुआ है।

एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि बीती 5 जनवरी को कोतवाली डालनवाला में दुष्यंत कुमार गौतम, राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तराखण्ड प्रदेश प्रभारी भाजपा द्वारा तहरीर देकर बताया गया कि सुरेश राठौर, पूर्व विधायक ज्वालापुर विधानसभा हरिद्वार

●मामला अंकिता भण्डारी हत्याकांड से है सम्बन्धित

व एक्ट्रेस उर्मिला सनावर के द्वारा कुछ राजनैतिक पार्टियों से मिलीभगत कर सुनियोजित रुप से आपराधिक षडयंत्र रचते हुए झूठी व मनगढंत ऑडियो व वीडियो बनाकर उनकी पार्टी एंव अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की छवि खराब करने, झूठी ऑडियो व वीडियो का आपसी वार्तालाप करके सोशल मीडिया पर पोस्ट कर शान्ति व्यवस्था भंग करने, उपद्रव व दंगे फैलाने का प्रयास किया गया है। मामले मे पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान साक्ष्य व तथ्यों के आधार पर आरोपी सुरेश राठौर के खिलाफ 308(6) बीएनएस की वृद्धि की गयी व पुलिस टीम द्वारा आरोपी सुरेश राठौर को बीती रात एक सूचना के आधार पर बहारीगढ़ फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किया गया। जिसे आज न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

भाई ने की थी भाई की हत्या, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। पटेलनगर क्षेत्र के बुड्डी गांव में बीती रात हुई हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतक के छोटे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से घटना में प्रयुक्त देशी पिस्टल बरामद हुई है। मृतक पेशे से वकील था और घटना के समय अपने छोटे भाई के साथ था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि बीती रात कोतवाली पटेलनगर पुलिस को सूचना मिली कि भुड्डी गांव में एक युवक को अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर में घुसकर गोली मार दी, जिसे उसके परिजनों व आसपास के लोगो द्वारा नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस त्वरित घटना स्थल पर पहुंची। मौके पर मृतक युवक की पहचान सोहेल हारून पुत्र अब्दुल हारून निवासी ग्राम भुड्डी, कोतवाली पटेलनगर के रूप मे हुयी, मृतक के सम्बन्ध में जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि मृतक अपने माता पिता तथा अन्य भाइयों के साथ उक्त घर में रहता था। 20-25 दिन पूर्व मृतक के माता पिता हज पर गये थे तथा मृतक अपने छोटे भाई शाहिद के साथ घर पर अकेला था। घटना के सम्बन्ध में सूचना देने वाले युवक सुहान पुत्र फुरकान से जानकारी करने पर उसके द्वारा बताया गया कि उसके ताऊ का लड़का वसीम, जो ड्राइवर का काम करता है, उसके द्वारा उसे फोन कर जानकारी दी कि

सोहेल के घर के पास गाड़ी को बैक करते समय उसे गोली चलने की आवाज सुनाई दी थी, जिस पर सुहान तत्काल सोहेल के घर गया, जहाँ उसके छोटे भाई ने उसे अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर में घुसकर उसके भाई सोहेल को गोली मारने की बात बतायी गयी थी, जिसके बाद वे सोहेल को लेकर नजदीकी अस्पताल गये थे। मृतक के भाई से जानकारी में भी उसके द्वारा अज्ञात व्यक्तियों ने घर में घुसकर उसके भाई को गोली मारना बताया गया। जिस पर पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गयी। पुलिस ने जब आस पास के सीसी कैमरे खंगाले तो पता चला कि उसमे से रिकार्डिग को हटायी गयी है। आसपास के कैमरों की फुटेजों में घटना के दौरान किसी भी व्यक्ति का घर के अन्दर न आना प्रकाश में आया। घटना स्थल के निरीक्षण के दौरान पुलिस टीम को घर के बाथरूम में छिपाकर रखी गयी एक देशी पिस्टल बरामद हुयी, जिसके सम्बन्ध में मृतक के छोटे भाई से जानकारी करने पर वह कोई स्पष्ट जबाब नही दे पाया। जिस पर मृतक के छोटे भाई को शाहिद को पूछताछ हेतु हिरासत में लेते हुये थाने लाया गया, जहां उससे सख्ती से पूछताछ करने पर उसके द्वारा घर से बरामद देशी पिस्टल से अपने भाई सोहेल को गोली मारकर उसकी हत्या करना स्वीकार किया गया तथा पुलिस से बचने के लिये अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके भाई को गोली मारने की झूठी जानकारी देना बताया गया, जिस पर शाहिद को पुलिस टीम द्वारा मौके से गिरफ्तार किया गया। आरोपी द्वारा पुलिस को गुमराह करने के लिये अपने परिजनों व आसपास के लोगो को भी घटना के सम्बन्ध में

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

सांप्रदायिकता का जहर

बीते कल देहरादून जनपद के सहसपुर थाना के अंतर्गत आने वाले गांव बैरागी वाला में मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। संघर्ष की यह घटना हिंदू और मुस्लिम संप्रदाय के लोगों के बीच हुई थी इसलिए इसका सांप्रदायिक संघर्ष का रूप लेना स्वाभाविक ही था और हुआ भी ठीक वैसा ही। यह संघर्ष इस हद तक न पहुंचे इसे रोकने के प्रयास पूर्व समय में न तो स्थानीय नेताओं और शासन प्रशासन द्वारा किए गए लेकिन जैसे ही हत्या की खबर फैली पूरा गांव तथा तमाम हिंदू संगठनों के नेता कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि वहां जमा हो गए शासन प्रशासन भी जाग गया। देखते ही देखते हालात इतने बिगड़ गए की हाईवे जाम से लेकर उग्र प्रदर्शन शुरू हो गए और मामले ने सांप्रदायिक रूप ले लिया। बड़ी मशक्कत के बाद हालात पर काबू पाया जा सका। लेकिन क्षेत्र में भारी तनाव व्याप्त है। पुलिस प्रशासन ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन तो दिया ही गया है साथ ही आरोपियों के घरों पर बुलडोजर की कार्रवाई तक हो चुकी है। इस घटना के पीछे पुरानी रंजिश की बात हुई कहीं जा रही है तथा कुछ लोग लेनदेन का मामला भी बता रहे हैं लेकिन मामला कुछ भी रहा हो अब यह विशुद्ध रूप से हिंदू मुस्लिम का रूप ले चुका है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि मुन्ना सिंह चौहान से लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह ने जिस तरह जिहादियों और आतंकियों से जोड़ते हुए सख्त लहजे में किसी भी सूरत में बक्शे न जाने की चेतावनी दी है और हिंदू संगठनों द्वारा अपराधियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई न करने पर बड़े आंदोलन प्रदर्शन की बात कही गई है उससे माहौल के जल्द सुधरने की उम्मीद कम ही दिखाई देती है। हालांकि प्रशासन पूरी तरह से एक्शन मोड में है तथा दो आरोपियों की गिरफ्तारी की बात भी कहीं जा रही है। वहीं इस घटना को कुछ लोगों तथा सोशल मीडिया में यह कहकर भी प्रचारित किया जा रहा है कि देहरादून में भी गाजियाबाद की पुनरावृत्ति। उल्लेखनीय है कि अभी ईद वाले दिन गाजियाबाद में एक हिंदू युवक की कुछ मुस्लिम लड़कों ने घर बुलाकर उसकी हत्या कर दी थी इसके बाद पुलिस ने दो आरोपियों को एक एनकाउंटर में मार गिराया था। बैरागी वाला में खेत में काम करते समय किये इस हमले से एक बात तो सुनिश्चित है कि हमला योजनाबद्ध तरीके से ही किया गया है। कोई भी व्यक्ति किसी भी धर्म या जाति का हो उसे अपराध करने की छूट तो नहीं दी जा सकती है ऐसे लोगों के साथ शासन प्रशासन को सख्त से सख्त कार्यवाही जरूर करनी ही चाहिए तथा की भी जा रही है लेकिन किसी भी अपराध को सांप्रदायिकता बताकर उसका क्षेत्र विस्तार और आकार बढ़ाने का काम भी नहीं होना चाहिए। जो लोग किसी भी कारण से इसे सांप्रदायिक रंग दे रहे हैं और इसे सांप्रदायिक दंगों में तब्दील करने की कोशिश कर रहे हैं शासन प्रशासन को उन पर भी नजर रखनी चाहिए। प्रदेश में लंबे समय से लव जिहाद, थूक जिहाद और बायोग्राफी चेंज जैसे मुद्दों ने प्रदेश की आबो हवा को खराब कर रखा है और मोहम्मद दीपक की चर्चित कहानी भी हम आप सभी के सामने हैं सांप्रदायिकता का यह जहर किसी भी सूरत में समाज के लिए हितकर नहीं हो सकता है यह बात सभी को समझने की जरूरत है। 2027 के चुनाव आने वाले हैं ऐसे में इस तरह की घटना होने और उन्हें तूल दिए जाने की संभावनाएं हैं इसलिए सतर्कता भी जरूरी है और समझदारी भी।

साइकिल रैली आयोजित कर जसपाल राणा को दी श्रद्धांजलि

देहरादून (सं)। देहरादून साइक्लिंग क्लब द्वारा आज उत्तराखंड के गौरव एवं देश के महान निशानेबाज स्वर्गीय जसपाल राणा की स्मृति में एक विशेष श्रद्धांजलि साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली में शामिल साइकिल चालक प्रातः 4:50 बजे बल्लूपुर चौक पर एकत्रित हुए। इसके पश्चात रैली प्रेमनगर, नंदा की चौकी एवं पौंधा होते हुए जसपाल राणा शूटिंग रेंज पहुँची। शूटिंग रेंज पहुँचने पर साइक्लिस्टों ने स्वर्गीय जसपाल राणा के पिता नारायण सिंह राणा से मुलाकात की। अपने पुत्र को श्रद्धांजलि देने के लिए देहरादून से बड़ी संख्या में साइक्लिस्टों को आया देखकर वे भावुक हो गए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष हरिसिमरन सिंह ने कहा कि जसपाल राणा का सपना एक स्वस्थ, नशामुक्त एवं हरित देहरादून का था। देहरादून साइक्लिंग क्लब इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए नियमित रूप से साइक्लिंग, रनिंग, वॉकिंग एवं योग जैसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा ताकि युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

नारायण सिंह राणा ने क्लब से अनुरोध किया कि जसपाल राणा की स्मृति में उनकी शूटिंग रेंज से उनके पैतृक गाँव नैनबाग तक एक लंबी साइकिल यात्रा का आयोजन किया जाए। इस पर क्लब अध्यक्ष ने आश्वासन ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

भाजपाः सत्ता-संगठन में 'परफेक्ट ट्यूनिंग'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 की आहट के साथ ही भाजपा ने संगठन और सत्ता के बीच समन्वय मजबूत करने के साथ-साथ नाराज नेताओं को साधने की कवायद भी तेज कर दी है। हाल के दिनों में पार्टी नेतृत्व लगातार संगठन को मजबूत करने, हारी हुई सीटों पर विशेष फोकस करने और कार्यकर्ताओं व नेताओं को एकजुट रखने पर जोर दे रहा है।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव भले अभी कुछ महीने दूर हों, लेकिन भाजपा ने चुनावी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। पार्टी नेतृत्व को यह एहसास है कि लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का रास्ता केवल सरकारी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि संगठनात्मक एकजुटता से होकर गुजरता है। यही वजह है कि भाजपा के बड़े नेता अब उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को मनाने में जुट गए हैं जो पिछले कुछ वर्षों में टिकट, दायित्व या संगठनात्मक उपेक्षा को लेकर नाराज रहे हैं। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन विधानसभा क्षेत्रों की है जहां 2022 के चुनाव में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था या जीत का अंतर बेहद कम रहा था। पार्टी नेतृत्व इन सीटों पर विशेष रणनीति बना रहा है और सांसदों, विधायकों तथा वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी सौंप रहा है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चुनाव से पहले किसी भी प्रकार की अंदरूनी नाराजगी भाजपा के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। यही

कारण है कि संगठन स्तर पर ऐसे नेताओं से संवाद बढ़ाया जा रहा है जो पिछले चुनावों के बाद खुद को हाशिये पर महसूस कर रहे थे। कई वरिष्ठ नेताओं को फिर से सक्रिय भूमिका देकर

●रूठे नेताओं को मनाकर भीतरघात का खतरा टालने की कोशिश
●कमजोर कड़ियों को मजबूत कर क्लीन स्वीप की चल रही तैयारी
●चुनावी शंखनाद से पहले कुनबे को एक रखने की कवायद शुरू

कार्यकर्ताओं में संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि पार्टी सभी को साथ लेकर चलना चाहती है।

भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने भी हालिया बैठकों में सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया है। पार्टी सांसदों और विधायकों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावशाली लोगों, सामाजिक संगठनों और पुराने कार्यकर्ताओं से संपर्क बढ़ाएं। इसके पीछे मकसद चुनावी माहौल बनने से पहले संगठन को पूरी तरह सक्रिय करना है। दूसरी ओर टिकट की दावेदारी को लेकर भी भाजपा सतर्क दिखाई दे रही है। प्रदेश नेतृत्व पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि उम्मीदवार चयन का आधार केवल जीतने की क्षमता होगी और इसके लिए कई स्तरों पर सर्वे कराए जाएंगे। ऐसे में टिकट की उम्मीद लगाए बैठे नेताओं को अभी से अनुशासन में रहने का संदेश दिया जा रहा है।

भाजपा की रणनीति साफ हैकृपहले संगठन को एकजुट करना, फिर सरकार की उपलब्धियों को गांव-गांव तक पहुंचाना और अंत में चुनावी मैदान में पूरी ताकत के साथ उतरना। पार्टी को लगता है कि यदि नाराज नेताओं को समय रहते मना लिया गया तो 2027 की राह अपेक्षाकृत आसान हो सकती है। लेकिन यदि असंतोष खुलकर सामने आया तो विपक्ष को भाजपा के खिलाफ बड़ा मुद्दा मिल सकता है।

कुल मिलाकर उत्तराखंड भाजपा में इन दिनों चुनावी तैयारी के साथ-साथ मनाओ और साथ लाओ अभियान भी चल रहा है। आने वाले महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी अपने रूठे नेताओं को कितनी सफलता से मना पाती है और इसका असर 2027 के चुनावी समीकरणों पर कितना पड़ता है।

दून में खो गया 'रिटायरमेंट पैराडाइज'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। कभी अपनी शांत फिजाओं, हरियाली, साफ-सुथरे वातावरण और सुकून भरे जीवन के लिए पहचानी जाने वाली दून घाटी आज तेजी से बदल रही है। पहाड़ों की गोद में बसी यह खूबसूरत वादी अब बढ़ते अपराध, यातायात अव्यवस्था, अतिक्रमण, प्रदूषण और अनियोजित शहरीकरण जैसी समस्याओं से जूझ रही है, जिस दून को कभी रिटायरमेंट सिटी और शिक्षा नगरी कहा जाता था, वहां अब लोगों के बीच सुरक्षा और जीवन की गुणवत्ता को लेकर चिंता बढ़ने लगी है।

राजधानी बनने के बाद देहरादून का तेजी से विस्तार हुआ। विकास की रफ्तार ने शहर को नई पहचान दी, लेकिन इसके साथ कई समस्याएं भी जन्म लेती गईं। आबादी बढ़ी, वाहनों की संख्या कई गुना बढ़ गई और शहर की सड़कों पर दबाव लगातार बढ़ता गया। सुबह और शाम के समय प्रमुख मार्गों पर लगने वाले लंबे जाम अब दूनवासियों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं।

दून घाटी की सबसे बड़ी पहचान उसकी हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में लगातार हो रहे निर्माण कार्यों, पेड़ों की कटाई और कंक्रीट के जंगलों ने इस पहचान को चुनौती दी है। शहर के आसपास की कृकृषि भूमि और खुले क्षेत्र तेजी से कालोनियों में बदल रहे हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है और भूजल स्तर पर भी दबाव बढ़ रहा है। सिर्फ पर्यावरण ही नहीं, सामाजिक माहौल में भी बदलाव महसूस किया जा रहा है। कभी शांत

●अपराध के ग्रहण ने छीना दून का पुराना गौरव और रिटायरमेंट सिटी का तमगा
●शिक्षा नगरी में अब बढ़ने लगा है खौफ, जीवन की गुणवत्ता को लेकर लोग चिंतित

और सुरक्षित माने जाने वाले शहर में अब चोरी, लूट, साइबर ठगी, नशे से जुड़े अपराध और आपराधिक घटनाओं की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। बाहरी राज्यों से बढ़ते पलायन और तेजी से बढ़ती आबादी के बीच कानून-व्यवस्था बनाए रखना भी प्रशासन के लिए चुनौती बनता जा रहा है।

शिक्षा और संस्कृति के लिए प्रसि(दून में आज युवा पीढ़ी के सामने भी नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। नशे का बढ़ता जाल, सोशल मीडिया से जुड़े अपराध और बदलती जीवनशैली समाज के लिए चिंता का विषय बन रहे हैं। कई सामाजिक संगठन और बु(जीवी समय-समय पर इस मुद्दे पर चिंता जता चुके हैं। जानकार बताते हैं कि समस्या विकास की नहीं, बल्कि अनियोजित विकास की है। यदि समय रहते शहर के लिए दीर्घकालिक योजना नहीं बनाई गई तो दून घाटी अपनी मूल पहचान खो सकती है। यातायात सुधार, हरित क्षेत्रों का संरक्षण, जल स्रोतों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने जैसे कदम अब बेहद जरूरी हो गए हैं।

दून की पहचान केवल राजधानी होने से नहीं, बल्कि उसकी संस्कृति, प्रकृति और शांत जीवनशैली से रही है। आज जरूरत इस बात की है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जाए ताकि आने वाली पीढ़ियां भी उसी दून को देख सकें, जिसकी खूबसूरती और शांति कभी पूरे देश में मिसाल मानी जाती थी। दून घाटी के सामने खड़ी चुनौतियां केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं हैं। शहर के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और समाज के हर वर्ग को मिलकर यह तय करना होगा कि विकास की दौड़ में दून अपनी आत्मा न खो दे। क्योंकि यदि दून की शांति और प्राकृतिक पहचान खत्म हो गई, तो केवल एक शहर नहीं, बल्कि उत्तराखंड की एक महत्वपूर्ण विरासत भी खो जाएगी।

परंपराओं के साथ न हो खिलवाड़

चमोली(आरएनएस)। नंदादेवी राजराजेश्वरी समिति बधाण ने वर्ष 2027 में घोषित श्रीनंदा देवी राजजात को भव्य बनाने की बात कही है। समिति ने इस संबंध में एसडीएम के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। समिति ने कहा कि बड़ी जात में गैर-परंपरागत डोली और राजछंतोली शामिल करने की चर्चाएं हैं जो परंपराओं के साथ खिलवाड़ है। ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा यदि वर्ष 2026 में प्रचारित बड़ी जात परंपरागत लोकजात के तौर पर आयोजित होती है तो उसका भव्य स्वागत करेंगे।

समिति ने उपजिलाधिकारी यशवीर सिंह के माध्यम से जिलाधिकारी चमोली को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने नंदादेवी राजजात की तैयारियों, पड़ावों पर विकास और थराली-देवाल-वाण मार्ग पर हॉटमिक्स कार्य शीघ्र शुरू करने की मांग की। समिति ने राजजात के विभिन्न विकास प्रस्तावों को स्वीकृति और वित्त मुहैया कराने की अपील की। साथ ही समिति ने सिद्धपीठ देवराड़ा को भी पर्यटन मानचित्र पर स्थान देने की मांग की। ज्ञापन में यात्रा पड़ावों पर रास्तों, पुलिया, बिजली समेत जैसी व्यवस्थाओं के निर्माण के प्रस्ताव भी शामिल थे। ज्ञापन देने वालों में समिति के भुवन हटवाल, पृथ्वी सिंह बुटोला, गोविंद भंडारी, डीडी कुनियाल, हरेंद्र नेगी, महिपाल सिंह, जय सिंह, हरेंद्र फर्स्वाण, विक्रम सिंह आदि मौजूद थे।

चमोली में जल्द शुरू होगा 1492 सड़कों का काम

चमोली(आरएनएस)। चमोली जिले के प्रभारी और ग्राम्य विकास, लघु उद्योग मंत्री भरत चौधरी ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना फेज चार के तहत जल्द 1492 सड़कों पर काम शुरू होगा। इनमें से 184 सड़कों पर टेंडर जारी कर दिए गए हैं। जबकि 275 सड़कें टेंडर प्रक्रिया की पाइपलाइन में हैं। केंद्र में भाजपा सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी के 12 साल पूरे होने पर ब्लॉक सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में भरत चौधरी ने कहा कि बदरीनाथ मास्टर प्लान, केदारनाथ पुनर्निर्माण, ऑलवेदर सड़क, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन सहित कई बड़ी परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। इन 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, महिला और युवाओं के सशक्तीकरण को प्राथमिकता दी है। राष्ट्रीय राजमार्गों, रेलवे और हवाई अड्डों का विस्तार हुआ है। इस मौके पर विधायक अनिल नौटियाल, प्रमुख दीपिका मैखुरी, जिलाध्यक्ष गजपाल बर्त्वाल और जिला महामंत्री अरुण मैठाणी आदि मौजूद थे।

जून में बर्फबारी देख खुश हुए हेमकुंड पहुंचे श्रद्धालु

चमोली(आरएनएस)। पिछले कुछ दिनों से बदरीनाथ धाम की ऊंची चोटियों और हेमकुंड साहिब में बर्फबारी और बारिश होने से ठंड बढ़ गई है। रात को भी हेमकुंड साहिब में बर्फबारी हुई जबकि बदरीनाथ धाम में बारिश हुई। हेमकुंड में बर्फबारी हुई तो तीर्थयात्रियों ने बर्फ का जमकर लुत्फ उठाया। बर्फबारी के बीच श्रद्धालु हेमकुंड साहिब पहुंचे। मानवेंद्र सिंह और जसप्रीत ने बताया कि उन्होंने बर्फबारी के बीच ही हेमकुंड साहिब सरोवर में स्नान किया। उसके बाद गुरुद्वारे में मत्था टेका। पहली बार इतनी करीब से बर्फबारी होती देखी। उन्होंने कहा कि विश्वास ही नहीं हो रहा है कि जून माह में बर्फबारी हो रही है। मैदानी इलाकों में जहां भीषण गरमी पड़ रही है। वहीं हेमकुंड साहिब की यात्रा पर पहुंच रह श्रद्धालु गुरुद्वारे के दर्शनों के साथ ही बर्फबारी का मजा भी ले रहे हैं। इधर बदरीनाथ धाम में बारिश होने से ठंड बढ़ गई है। बारिश के बीच ही श्रद्धालुओं ने भगवान बदरीनाथ के दर्शन किए।

ड्यूटी से नदारद रहने पर ग्राम विकास अधिकारी पर गिरी गाज

पौड़ी(आरएनएस)। विकासखंड रिखणीखाल में सेवारत ग्राम विकास अधिकारी ग्राम विकास अधिकारी सुशील थपलियाल को कार्यक्षेत्र से लगातार अनुपस्थित रहने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) मनविंदर कौर ने तत्काल प्रभाव से निलंबन आदेश जारी करते हुए अधिकारी को बीडीओ कार्यालय खिर्सू से संबद्ध कर दिया है। डीडीओ ने मामले की जांच बीडीओ पौड़ी को सौंपी हैजनपद के विकासखंड रिखणीखाल के खंड विकास अधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को एक पत्र भेजा। इसमें उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सेवारत एक ग्राम विकास अधिकारी कार्य क्षेत्र में बिना किसी सूचना के लगातार अनुपस्थित रहने, संबंद्ध किए जाने के बावजूद ब्लॉक मुख्यालय से अनुपस्थित रह रहे हैं। बताया कि उक्त ग्राम विकास अधिकारी को जनवरी, मार्च, जून, अगस्त, सितंबर, अक्तूबर 2025 और जनवरी, फरवरी व मार्च 2026 में पत्र भेज कार्यक्षेत्र से अनुपस्थित रहने का कारण पूछा गया था लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। बीडीओ ने कार्य व दायित्वों में घोर लापरवाही किए जाने और उच्च अधिकारियों के निर्देशों का अनुपालन नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए निलंबन की संस्तुति की थी। डीडीओ मनविंदर कौर ने बताया कि रिखणीखाल ब्लॉक में सेवारत ग्राम विकास अधिकारी सुशील थपलियाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर बीडीओ कार्यालय खिर्सू संबंद्ध किया गया है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन या लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पहाड़ की मिट्टी का वरदान है 'चौलाई'

❑पहाड़ की पारंपरिक फसल में छिपा है सेहत का खजाना
❑चौलाई को बाजार मिला तो बदल जाएंगी किसानों की तस्वीर
❑आज दुनियाभर में सुपरफूड के रूप में बढ़ रही इसकी पहचान

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ों में यदि किसी फसल ने सदियों से लोगों की भूख मिटाने के साथ-साथ उन्हें ताकत और सेहत भी दी है, तो वह है चौलाई। कभी गांवों के खेतों में आमतौर पर उगाई जाने वाली यह पारंपरिक फसल आज सुपरफूड के रूप में दुनिया भर में अपनी पहचान बना रही है। लेकिन विडंबना यह है कि जिस चौलाई को पहाड़ के लोग वर्षों से खाते आ रहे हैं, उसकी असली कीमत अब दुनिया समझने लगी है।

पहाड़ की सीढ़ीनुमा खेती में उगने वाली चौलाई केवल एक अनाज नहीं, बल्कि यहां की संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा रही है। बदलते समय के साथ भले ही लोगों की खान-पान की आदतें बदल गई हों, लेकिन चौलाई का महत्व आज भी कम नहीं हुआ है। गढ़वाल और कुमाऊं के अधिकांश क्षेत्रों में चौलाई की खेती वर्षों से होती रही है। कम पानी और कम संसाधनों में तैयार होने वाली यह फसल पहाड़ के किसानों के लिए हमेशा भरोसेमंद रही है। बरसात के मौसम में बोई जाने वाली चौलाई शरद)तु तक तैयार हो जाती है।

पहाड़ के बुजुर्ग बताते हैं कि पहले लगभग हर गांव में चौलाई के खेत दिखाई देते थे। घरों में इसकी रोटी बनती थी, लड्डू बनाए जाते थे और धार्मिक आयोजनों में भी इसका विशेष महत्व होता था। विशेषज्ञों के अनुसार चौलाई में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, फाइबर और कई आवश्यक खनिज तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। यही वजह है कि इसे आज सुपरफूड की श्रेणी में रखा जा रहा है। पहाड़ के लोगों का मानना है कि चौलाई शरीर को ताकत देने के साथ-साथ लंबे समय तक ऊर्जा बनाए रखती है। खेतों में दिनभर काम करने वाले लोग चौलाई की रोटी और अन्य व्यंजन खाकर कठिन श्रम करते थे।

आज जब लोग मोटे अनाजों और पारंपरिक खाद्य पदार्थों की ओर लौट रहे हैं, तब चौलाई की मांग लगातार बढ़ रही है। उत्तराखंड के गांवों में चौलाई का नाम आते ही सबसे पहले चौलाई के लड्डू याद आते हैं। गुड़ के साथ तैयार किए जाने वाले ये लड्डू केवल स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि पौष्टिक भी होते हैं। मेले, त्योहार और धार्मिक आयोजनों में चौलाई के लड्डूओं की विशेष मांग रहती है। बचपन की यादों में आज भी गांव के बुजुर्ग चौलाई के मीठे लड्डूओं का स्वाद महसूस करते हैं।

पहाड़ों से बढ़ते पलायन का असर चौलाई की खेती पर भी पड़ा है, जिन खेतों में कभी चौलाई लहलहाती थी, उनमें से कई आज बंजर पड़े हैं। खेती से युवाओं के दूर होने और बाजार की कमी के कारण चौलाई का उत्पादन भी प्रभावित हुआ है। हालांकि सरकार और विभिन्न संस्थाएं मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रही हैं। किसानों को चौलाई की व्यावसायिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि उनकी आय बढ़ सके।

आज चौलाई केवल गांवों तक सीमित नहीं है। बड़े शहरों से लेकर विदेशों तक इसकी मांग बढ़ रही है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोग चौलाई का आटा, लड्डू, कुकीज और अन्य उत्पाद पसंद कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि उत्तराखंड के किसान वैज्ञानिक तरीके से चौलाई की खेती करें और बेहतर बाजार उपलब्ध हो तो यह फसल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

चौलाई उत्तराखंड की उस समृ(विरासत का प्रतीक है, जिसने सदियों तक पहाड़ के लोगों को पोषण और ऊर्जा दी। आधुनिक जीवनशैली में जब लोग प्राकृतिक और पौष्टिक भोजन की तलाश कर रहे हैं, तब चौलाई एक बार फिर लोगों की थाली में सम्मान के साथ लौट रही है। यह केवल एक फसल नहीं, बल्कि पहाड़ की मेहनत, आत्मनिर्भरता और प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली की कहानी है। चौलाई के हर दाने में उत्तराखंड की मिट्टी की खुशबू और पहाड़ के लोगों के संघर्ष की गाथा छिपी हुई है।

धनगढ़ी पुल पर यातायात शुरू, बरसात में आवागमन की समस्या से मिलेगी राहत

अल्मोड़ा(आरएनएस)। राष्ट्रीय राजमार्ग-309 पर स्थित धनगढ़ी नाले पर पुल निर्माण कार्य पूरा होने के बाद वाहनों का आवागमन शुरू हो गया है। पुल के संचालन से क्षेत्रवासियों को बरसात के मौसम में होने वाली आवागमन की परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं पनोद नाले पर निर्माणाधीन पुल पर भी 15 जून से पहले यातायात शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। बरसात के दौरान धनगढ़ी और पनोद नालों में जलस्तर बढ़ जाने से लोगों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कई बार लोगों को जोखिम उठाकर नालों को पार करना पड़ता था। इस समस्या के समाधान के लिए वर्ष 2020 में धनगढ़ी नाले पर 7.65 करोड़ रुपये की लागत से 150 मीटर लंबे तथा पनोद नाले पर 6.35 करोड़ रुपये की लागत से 90 मीटर लंबे पुल के निर्माण को स्वीकृति दी गई थी। धनगढ़ी पुल पर यातायात शुरू होने पर श्रम संविदा बोर्ड अध्यक्ष कैलाश पंत ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पुल के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने इसके लिए सांसद अनिल बलूनी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दोनों पुलों के पूर्ण रूप से संचालित होने के बाद बरसात के मौसम में क्षेत्र के लोगों को लंबे समय से चली आ रही समस्या से स्थायी राहत मिलेगी।

काशीपुर नगर निगम बोर्ड बैठक में 614.5 करोड़ का बजट पारित

काशीपुर(आरएनएस)। महापौर दीपक बाली की अध्यक्षता में नगर निगम में बोर्ड बैठक हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 614.5 करोड़ रुपये का वार्षिक बजट और बजट के सापेक्ष 570.9 करोड़ रुपये के वार्षिक व्यय का प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित किया गया। महापौर, पार्षदों एवं समाज सेवी संगठनों की मांग पर नगर निगम बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पास किया गया कि अब किसी भी खुशी के मौके पर किन्नर जनता से केवल अधिकतम 5100 रुपये ही ले सकेंगे और यदि इससे ऊपर की मांग करेंगे और मुंह मांगी रकम न देने पर दुर्व्यवहार करेंगे तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में नगर आयुक्त की ओर से एक आदेश भी जारी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने काशीपुर के स्टेडियम तिराहे को श्री ननकाना साहिब चौक का नामकरण करने और उसके सौंदर्य करण का शिलान्यास करने पर मेयर सहित सभी पार्षदों ने एक प्रस्ताव पास कर उनका आभार व्यक्त किया। बोर्ड बैठक में उठी मांग को देखते हुए महापौर ने कहा कि नगर में जितने भी आरोग्य मंदिर बने हुए हैं अब उन पर कुत्ता काटे के निशुल्क रेबीज इंजेक्शन लगाए जाया करेंगे। महापौर ने यह भी बताया कि काशीपुर के सौंदर्य करण को दृष्टि में रखते हुए ढेला नदी के किनारो पर घूमने फिरने साइकलिंग के साथ-साथ खाने पीने के समान की वेंडिग जोन बनाए जाएंगे। नगर की सफाई व्यवस्था के सुधार हेतु अत्याधुनिक तकनीकी युक्त कंट्रोल रूम पर 3 करोड़ 80 लाख रुपए की कार्य योजना का अनुमोदन किया गया जो शासन में विचाराधीन है और इसके लिए बिल्डिंग तैयार हो गई है।

अल्ली खां चौक पर 135 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज एवं सौंदर्य करण कार्य की लागत 26 करोड़ 21 लाख का अनुमोदन किया गया। नगर निगम के किराएदार अवंटियों को शासनादेश अनुसार वृद्धि होने वाले किराए के अवशेष को राहत देते हुए किराएदार अवंटियों के प्रकरण पर चर्चा हुई और कहा गया कि उन्हें राहत दी जाएगी। इस तरह कुल 32 बिंदुओं पर चर्चा हुई और उनका अनुमोदन किया गया। पार्षद प्रिंस बाली, पुष्कर बिष्ट, सतीश शर्मा, राशिद फारुकी, दीपा पाठक, वैशाली गुप्ता, संदीप सिंह मोनू, अनीता कंबोज आदि ने भी अनेक मुद्दे उठाए जिन पर महापौर ने तत्काल समाधान के आदेश दिए। बैठक नगर आयुक्त रविंद्र सिंह बिष्ट, सहायक नगर आयुक्त शालिनी बिष्ट, कार्यालय अधीक्षक विकास शर्मा आदि मौजूद थे।

लोहे की कढ़ाई खरीदने जा रहे हैं? इन बातों का रखें खास ध्यान

लोहे की कढ़ाई भारतीय रसोई में एक अहम बर्तन है। यह न केवल खाना पकाने में मददगार होता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। लोहे की कढ़ाई में खाना अधिक पौष्टिक और स्वादिष्ट बनता है। बाजार में कई प्रकार की कढ़ाई उपलब्ध हैं, और सही चुनाव करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। आइए जानते हैं कि लोहे की कढ़ाई खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भारी और मजबूत होनी चाहिए कढ़ाई- जब भी आप लोहे की कढ़ाई खरीदें, तो उसे भारी और मजबूत चुनें। भारी कढ़ाई गर्मी को समान रूप से फैलाती है, जिससे खाना अच्छी तरह पकता है और जलता नहीं है। मजबूत कढ़ाई लंबे समय तक चलती है और टूटती नहीं है। हल्की कढ़ाई जल्दी खराब हो सकती है और उसकी सतह खुरच सकती है, जिससे सेहत पर असर पड़ सकता है।

जंग से बचाव के लिए कोटिंग- लोहे की कढ़ाई पर जंग से बचाव के लिए कोटिंग होना जरूरी है ताकि वह जंग न लगे। जंग लगने पर कढ़ाई का उपयोग सुरक्षित नहीं रहता। इसलिए खरीदने से पहले जांच लें कि कढ़ाई पर जंगरोधी कोटिंग है या नहीं। इस प्रकार की कोटिंग वाली कढ़ाई लंबे समय तक टिकती है और उसमें खाना पकाने से सेहत पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। इसके अलावा यह कढ़ाई साफ-सफाई में भी आसान होती है।

हैंडल की जांच करें- कढ़ाई के हैंडल की जांच करना भी जरूरी है क्योंकि अगर हैंडल मजबूत नहीं होगा तो पकाते समय हाथ जल सकते हैं या गिरने का खतरा रहता है। इसलिए खरीदने से पहले सुनिश्चित करें कि हैंडल अच्छी गुणवत्ता का हो और अच्छी तरह से जुड़ा हुआ हो। हैंडल ऐसा होना चाहिए, जिससे पकड़ने में आसानी हो और गर्मी का असर न हो। इससे खाना पकाते समय कोई परेशानी नहीं होगी और आप आराम से खाना बना सकेंगे।

तले की मोटाई पर दें ध्यान- लोहे की कढ़ाई के तले की मोटाई भी महत्वपूर्ण होती है। मोटा तला गर्मी को बेहतर तरीके से बनाए रखता है और खाना जलता नहीं है। पतला तला जल्दी गर्म होता है लेकिन उसमें खाना जलने का खतरा रहता है। इसलिए मोटा तला ही चुनें, जो आपके लिए उपयुक्त हो। मोटा तला न केवल खाना पकाने में मदद करता है बल्कि लंबे समय तक टिकाऊ भी रहता है।

आकार पर ध्यान दें- आकार भी एक अहम पहलू होता है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। छोटे आकार की कढ़ाई रोजमर्रा की छोटी मात्रा के लिए उपयुक्त होती हैं जबकि बड़े आकार की कढ़ाई परिवार या मेहमानों के लिए बेहतर होती हैं। अपने आवश्यकतानुसार सही आकार चुनें ताकि आपको हर बार सही मात्रा में खाना बनाने में सुविधा हो। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप अपनी जरूरतों के अनुसार सबसे अच्छी लोहे की कढ़ाई खरीद सकते हैं।

मानसून से पहले साफ कर लें त्वचा की टैनिंग, बनाकर लगाएं ये फेस पैक

गर्मी में त्वचा को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इनमें से एक है सूरज की हानिकारक किरणों के कारण त्वचा पर होने वाली टैनिंग। यह समस्या खासतौर से उन लोगों के लिए होती है, जो घर से बाहर ज्यादा समय बिताते हैं। ऐसे में जरूरी है कि मानसून का मौसम आने से पहले ही आप इस जिद्दी टैनिंग को साफ कर लें। इसके लिए इन 5 घर पर बने फेस पैक से त्वचा की देखभाल करें।

दही, नींबू और चावल के आटे का फेस पैक- सामग्री- 2 चम्मच दही, एक चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच चावल का आटा। बनाने और लगाने का तरीका- सबसे पहले एक कटोरी में चावल का आटा, नींबू का रस और दही मिलाएं। फिर इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 से 20 मिनट के बाद चेहरे को पानी से धो लें। फायदा- यह फेस पैक त्वचा को नमी देने में मदद करता है और त्वचा की रंगत को हल्का करने में भी सहायता कर सकता है।

एलोवेरा जेल, हल्दी और चंदन का फेस पैक- सामग्री- 2 चम्मच एलोवेरा जेल, एक चम्मच चंदन पाउडर और एक चुटकी हल्दी पाउडर। बनाने और लगाने का तरीका- एक कटोरी में एलोवेरा जेल, चंदन पाउडर और हल्दी पाउडर को अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। फायदा- यह फेस पैक त्वचा को मुलायम बनाने के साथ रंगत को हल्का करने में भी मदद कर सकता है, जिससे टैनिंग साफ हो जाती है।

टमाटर, बेसन और दही का फेसपैक- सामग्री- एक टमाटर, 2 चम्मच बेसन और एक चम्मच दही। बनाने और लगाने का तरीका- सबसे पहले टमाटर को पीसकर उसकी प्यूरी बना लें। फिर इस गूदे को बेसन और दही के साथ मिलाकर पैक तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और सूखने पर चेहरे को पानी से धो लें। फायदा- यह फेस पैक मृत त्वचा को हटाने और रंगत को हल्का करने में मदद कर सकता है।

संतरे के छिलके, शहद और दूध का फेसपैक- सामग्री- 2 चम्मच संतरे के छिलके का पाउडर, एक चम्मच शहद और एक चम्मच दूध। बनाने और लगाने का तरीका- एक कटोरी में इन सभी सामग्रियों को मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। फायदा- यह फेस पैक त्वचा की रंगत को हल्का करने समेत इसे मुलायम बनाने में मदद कर सकता है।

गर्मियों में पसीने की वजह से हो जाती है घमोरी? बचाव के लिए अपनाएं ये सुझाव

गर्मियों में सबसे ज्यादा परेशान करता है पसीना, जो उमस की वजह से बहुत बढ़ जाता है। ज्यादा पसीना निकलने के कारण त्वचा पर घमोरियां हो सकती हैं। इस समस्या की वजह से त्वचा पर लाल दाने, खुजली या जलन होती है। इसके उत्पन्न होने पर तो डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। हालांकि, अगर आप घमोरियों से बचना चाहते हैं तो इन टिप्स का पालन करें। इनके जरिए आपका स्वास्थ्य सही रहेगा और आपको ज्यादा पसीना भी नहीं आएगा।

ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनें

गर्मियों में ढीले-ढाले कपड़े पहनना सबसे अच्छा होता है। तंग कपड़े पहनने से पसीना निकलने की जगह नहीं मिलती, जिससे घमोरियां हो सकती हैं। सूती कपड़े इस मौसम में सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि ये त्वचा को हवा लगने देते हैं और पसीने को सोख लेते हैं। इसके अलावा ढीले कपड़े पहनने से त्वचा को आराम मिलता है और गर्मी से होने वाली जलन से बचाव होता है। इसलिए, हमेशा सूती और ढीले कपड़े ही पहनें।

रोजाना नहाएं

रोजाना नहाना एक अच्छी आदत है, जो गर्मियों के दौरान खासतौर से जरूरी है। इससे न केवल शरीर की गंदगी दूर होती है, बल्कि पसीने के कारण होने वाली घमोरियों से भी छुटकारा मिलता है। नहाने के लिए हल्का गुनगुना पानी इस्तेमाल करें और साबुन की जगह हल्के जेल या फोम का उपयोग करें। इससे आपकी त्वचा साफ रहेगी और तरोताजा महसूस होगा। इसके अलावा नहाने के बाद त्वचा को अच्छी तरह से सुखाना न भूलें।

त्वचा को नमी दें

नहाने के बाद त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाना जरूरी है। यह न केवल त्वचा को नमी देता है, बल्कि उसे मुलायम भी रखता है। इसके लिए हल्का और बिना खुशबू वाला मॉइस्चराइजर चुनें, जो आपकी त्वचा के प्रकार के अनुसार हो। इससे घमोरी होने की संभावना कम होती है और त्वचा पर ताजगी बनी रहती है। नियमित रूप से मॉइस्चराइजर लगाने से त्वचा की नमी बरकरार रहती है और वह स्वस्थ दिखती है।

धूप से बचाव करें

सूरज की हानिकारक किरणें भी घमोरी का कारण बन सकती हैं, इसलिए बाहर जाने से पहले अपनी त्वचा पर धूप से बचाव करने वाली क्रीम लगाएं। यह आपकी त्वचा को धूप से बचाती है और जलन होने से रोकती है। हर 2-3 घंटे बाद इसे दोबारा लगाना न भूलें, खासकर अगर आप लंबे समय तक बाहर रह रहे हैं। इसके अलावा सूरज की सीधी किरणों से बचने के लिए टोपी या छाते का इस्तेमाल करें।

पानी पीते रहें

शरीर को हाइड्रेट रखना जरूरी है, ताकि पसीना आसानी से निकल सके और शरीर ठंडा रहे। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीएं और नारियल पानी, ताजे फलों का रस या इलेक्ट्रोलाइट पेय भी शामिल करें। इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होगी और घमोरियां होने की संभावना कम होगी। इसके अलावा हाइड्रेट रहने से ऊर्जा बनी रहती है और थकान महसूस नहीं होती। अगर इन सबके बाद भी घमोरियां हो जाएं तो डॉक्टर से परामर्श करें।

शब्द सामर्थ्य -067

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8	9		■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		12ए	■	13		14	■	15
	■	16			■	17		
18	19		■	20	21		■	
■		■	■	■		■	■	■
22			■	23			■	24

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 66 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

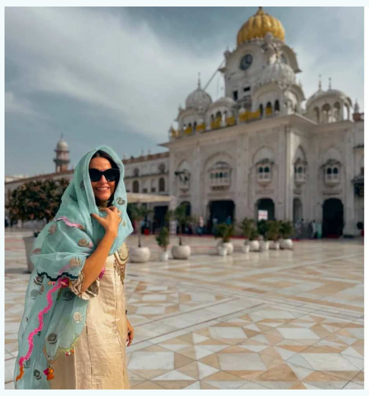

नेहा धूपिया ने स्वर्ण मंदिर में टेका माथा, अमृतसरी छोले-भटूरे का लिया स्वाद

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में वह पंजाब के अमृतसर पहुंचीं, जहां उन्होंने स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। उन्होंने इस यात्रा की कई तस्वीरें और वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए हैं, जिन्हें उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

नेहा धूपिया ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली तस्वीर स्वर्ण मंदिर की थी। इस तस्वीर में नेहा पवित्र सरोवर के पास खड़ी नजर आ रही है। उन्होंने सिर पर पेस्टल कलर का दुपट्टा ओढ़ रखा है और हाथ जोड़कर श्रद्धा के साथ प्रार्थना करती दिखाई दे रही है। वहीं अन्य तस्वीरों में वह अमृतसर के मशहूर खाने का भी आनंद लेती दिख रही है।

एक वीडियो में वह लोकल शॉप पर छोले-भटूरे खाते हुई नजर आ रही है। वीडियो में उनके चेहरे की खुशी साफ बता रही है कि उन्हें पंजाब का यह स्वाद बेहद पसंद आया है। एक दूसरी तस्वीर में वह मजाकिया अंदाज में पोज देती दिख रही है।

इस पोस्ट के साथ नेहा धूपिया ने कैप्शन में लिखा, इस यात्रा की हर बात खास रही। कैप्शन में उन्होंने रेड हार्ट, हाथ जोड़ने और एंजल इमोजी का भी इस्तेमाल किया।

यह पहली बार नहीं है जब नेहा किसी धार्मिक जगह पर पहुंची हों। इससे पहले वह वृंदावन गई हैं। वहां उन्होंने सेवा कार्यों में हिस्सा लिया था।

अगर नेहा धूपिया के करियर की बात करें तो उन्होंने साल २००२ में मिस इंडिया का खिताब जीतकर ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने फिल्म कयामतः सिटी अंडर थ्रेट से बॉलीवुड में शुरुआत की। आगे चलकर जूली, क्या कूल हैं हम, शूटआउट एट लोखंडवाला, सिंह इज किंग, चुप चुप के और तुम्हारी सुलु जैसी फिल्मों में काम करके अपनी अलग पहचान बनाई।

फिल्मों के अलावा, नेहा टीवी की दुनिया में भी काफी सक्रिय रही हैं। वह कई रियलिटी शो में जज और होस्ट के रूप में नजर आ चुकी हैं। उनका चर्चित चैट शो नो फिल्टर नेहा भी काफी लोकप्रिय रहा। हाल ही में उन्होंने अपने पति अंगद बेदी के साथ मिलकर कपल-बेस्ड पॉडकास्ट फॉर्मेट लॉन्च किया, जिसमें वे चर्चित सेलिब्रिटी कपल्स से बातचीत करते हैं।

गोवा में समीरा रेड्डी के बगीचे से अर्चना पूरन सिंह ने तोड़े काजू!

अभिनेत्री समीरा रेड्डी मुंबई की चकाचौंध से दूर गोवा में रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह अपने परिवार के साथ समीरा रेड्डी के घर घूमने पहुंचीं। इस दौरान अर्चना ने पहली बार काजू के फल का स्वाद चखा। अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अर्चना अपने परिवार के साथ पहली बार काजू का फल चख रही हैं। शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि अर्चना पूरन सिंह पूरे परिवार के साथ समीरा के बगीचे में काजू का फल तोड़ती हैं जबकि समीरा उन्हें इस मज़ेदार अनुभव के बारे में बताती हैं। वहीं, अर्चना कहती हैं कि ये फल उनकी जिंदगी की खास यादों में एक है। अर्चना के पति परमीत सेठी और उनके बेटे आर्यमन सेठी और आयुष्मान सेठी भी इस पल का एक साथ आनंद लेते हुए दिखाई दिए।

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो शेयर करते हुए, समीरा ने लिखा, हमारे घर पर अर्चना पूरन सिंह ने पहली बार काजू के फल का स्वाद चखा।

बता दें कि अभिनेत्री समीरा रेड्डी कोविड-19 महामारी के दौरान मुंबई से गोवा शिफ्ट हो गई थीं, ताकि वे शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर एक शांत जीवन जी सकें। समीरा रेड्डी गोवा में अपने परिवार के साथ एक शांत और प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली जी रही हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए गोवा में बिताए पलों को शेयर करती हैं। हालांकि, अभिनेत्री अपने काम के सिलसिले में मुंबई आती-जाती रही हैं।

अभिनेत्री हाल ही में फिल्म आखिरी सवाल में नजर आई थी, जो 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी करते हुए समीरा ने प्रोफेसर पल्लवी मेनन का किरदार निभाया है, जो एक वामपंथी विचारक हैं।

इस राजनीतिक ड्रामा फिल्म का निर्देशन अभिजीत मोहन वारंग ने किया है और इसमें समीरा रेड्डी ने एक महत्वपूर्ण नेगेटिव भूमिका निभाई है। फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, नमाशी चक्रवर्ती और अमित साध भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं त्रिधा चौधरी

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार अब सिर्फ ग्लैमरस किरदारों तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहते हैं, जिनमें अभिनय के साथ भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव भी हो। इसी बीच अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने कहा कि वह भविष्य में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। अगर उन्हें शिवा ट्रिलॉजी जैसी किसी पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा। जब त्रिधा से पूछा कि अगर उन्हें भविष्य में किसी बड़े ऐतिहासिक या पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह का किरदार निभाना पसंद करेंगी। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह लेखक अमिश त्रिपाठी की मशहूर किताब शिवा ट्रिलॉजी पर बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगी।

त्रिधा ने कहा, मैंने हाल ही में सुना है कि रणवीर सिंह ने शिवा ट्रिलॉजी के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। यह खबर सुनकर मैं काफी उत्साहित हूं। मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं और उन्हें अभिनेता के तौर पर बेहद पसंद करती हूं। रणवीर जिस तरह अपने हर किरदार में पूरी एनर्जी डालते हैं, वह मुझे बेहद प्रेरित करता है। उनके साथ काम करना मेरा सपना है।

उन्होंने आगे कहा, भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था है, और यही वजह है कि शिवा ट्रिलॉजी से मेरा भावनात्मक जुड़ाव भी है। मैंने इस किताब की पूरी सीरीज पढ़ी है और कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया। अगर मुझे किसी ऐसी पौराणिक फिल्म में अभिनय करने का मौका मिलता है, तो वह मेरे करियर का सबसे खास अनुभव होगा।

त्रिधा ने बातचीत के दौरान कहा, मेरे लिए सिर्फ खूबसूरत दिखना या ग्लैमरस किरदार निभाना ज्यादा मायने नहीं रखता। एक कलाकार की असली पहचान उसके अभिनय से होती है। अगर कोई कलाकार स्क्रीन पर सिर्फ अच्छा दिखे लेकिन अपने किरदार को सही तरीके से निभा न पाए, तो दर्शक उससे जुड़ नहीं पाते।

अभिनेत्री ने कहा, मेरे लिए क्रिटिक्स की तारीफें ज्यादा महत्वपूर्ण होती हैं। अगर लोग मेरे अभिनय को पसंद करें और यह महसूस करें कि मैंने किरदार के साथ न्याय किया है, तो वही मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता है। मैं हमेशा ऐसे रोल चुनना चाहती हूं जिनमें अभिनय करने का मौका मिले और दर्शकों तक कोई भावना पहुंचाई जा सके।

स्ट्रैपलेस ड्रेस में पूजा हेगड़े ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा!

पूजा हेगड़े इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। स्ट्रैपलेस ड्रेस में पूजा ने कातिलाना पोज दिए, जिन पर फैंस दिल हार बैठे।

पूजा हेगड़े ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी सिजलिंग तस्वीरें शेयर कर फैंस की धड़कनें बढ़ा दी। पूजा हेगड़े ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी सिजलिंग तस्वीरें शेयर कर फैंस की धड़कनें बढ़ा दी। एक्ट्रेस ने मिनिमल एक्सेसरीज़, सटल ग्लॉसी मेकअप और सॉफ्ट वेवी हेयर के साथ अपने ग्लैमरस लुक को और भी अट्रैक्टिव बना दिया। शेयर की गई तस्वीरों में पूजा हेगड़े एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज देती नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस पूजा के इस ग्लैमरस लुक के दीवाने हो गए हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में नजर आई हैं। फिल्म में वरुण धवन और मृणाल ठाकुर भी लीड रोल में हैं। इस फिल्म को डेविड धवन ने डायरेक्ट किया है। फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

चौथान क्षेत्र को मिली विकास कार्यों की सौगात, विनसर महादेव क्षेत्र के विकास को मिलेगी गति

पौड़ी(आरएनएस)। विकासखंड के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने चौथान क्षेत्र को कई विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने विनसर महादेव मंदिर क्षेत्र के विकास, खेल मैदान और सड़क निर्माण कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। कैबिनेट मंत्री ने बूंगीधार में आयोजित बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी पौड़ी, एसडीएम थलीसैंण व दूधातोली विनसर चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ विनसर महादेव मंदिर की भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया पर चर्चा की। इसमें भूमि हस्तांतरण से जुड़ी औपचारिकताओं को शीघ्र पूरा करने और जनभावनाओं के अनुरूप कार्रवाई आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। मंत्री डॉ. रावत कहा कि विनसर महादेव मंदिर क्षेत्र को धार्मिक आस्था, संस्कृति और पर्यटन के रूप में विकसित किया जाएगा। कहा कि सरकार इसके संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बूंगीधार के देवराड़ी देवी में 25 लाख की लागत से बनने वाले खेल मैदान का शिलान्यास किया। जबकि थलीसैंण क्षेत्र के अंतर्गत 230.93 लाख की लागत से निर्मित 2.87 किमी के मैखुली-देवराड़ी- गणतखाल मोटर मार्ग के सुधारीकरण व डामरीकरण कार्य का लोकार्पण किया। डॉ. रावत ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस मौके पर एसडीएम थलीसैंण कृष्णा त्रिपाठी, बीडीओ टीकाराम, जिला युवा कल्याण अधिकारी आरएस फोनिया, जिपं सदस्य अंजली जोशी, ज्येष्ठ प्रमुख मनवर सिंह आदि मौजूद रहे।

महीने बीत गए पूरे दस, कलगढ़ी पुल का मलबा पड़ा जस का तस

पौड़ी(आरएनएस)। पाबौ विकासखंड के कलगढ़ी गांव में बीते वर्ष 6 अगस्त को आई आपदा के करीब 10 महीने बाद भी पुराने पुल का मलबा नहीं हटाया जा सका है। ग्रामीणों का कहना है कि मलबा आज भी कलगढ़ी गदेरे के बहाव को बाधित कर रहा है, जिससे आगामी बरसात में फिर से बाढ़ और नुकसान का खतरा बना हुआ है। आपदा के बाद प्रशासन ने नया पुल तो बना दिया, लेकिन पुराने पुल का मलबा गदेरे में ही पड़ा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते मलबा नहीं हटाया गया तो उफनता गदेरा पानी और मलबा उनके घरों व खेतों में घुसा सकता है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के लोगों की आजीविका खेती और पशुपालन पर निर्भर है, ऐसे में दोबारा आपदा आने पर भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि आपदा से क्षतिग्रस्त कई बिजली के खंभे अब भी झुके हुए हैं और तारें लटकी हुई हैं। गौरतलब है कि बुआखाल-पाबौ-रामनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित कलगढ़ी पुल जिला मुख्यालय और रामनगर को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण एवं एकमात्र मोटर मार्ग है।

सू- दोकू क्र.067

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.66 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

पंचतत्व में विलीन हुए रोहित , अंतिम विदाई में उमड़ा जनसैलाब

नई टिहरी(आरएनएस)। । जम्मू-कश्मीर के नौशेरा में एलओसी पर गश्त के दौरान सर्विस राइफल की गोली लगने के कारण बलिदान हुए रोहित सिंह का बिनपुला भिलंगना घाट पर सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। स्थानीय लोगों ने पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर वीर जवान को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बलिदानी की अंतिम यात्रा में पहुंचे लोगों ने कहा कि 21 साल की उम्र रोहित ने देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका यह बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। रोहित की असमय मौत पर मेंडू सिंधवाल गांव में मातम पसरा रहा। बेटे का पार्थिव शरीर गांव पहुंचते ही परिजन लिपट कर रोते-बिलखते रहे। जिससे हर किसी की आंखें नम हो गई।भिलंगना ब्लॉक के मेंडू सिंधवाल गांव निवास रोहित सिंह रावत (21) पुत्र सुरेंद्र सिंह एक साल पहले ही अग्निवीर के तहत सेना में भर्ती हुए थे। जनवरी 2026 में ट्रेनिंग पूरी कर उन्हें जम्मू में तैनाती मिली। बताया गया कि 10 जून को सुबह गश्त के दौरान अचानक ही रोहित को अपनी सर्विस राइफल से गोली लग गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके कुछ देर बाद ही वीर जवान ने दम तोड़ दिया।

हालांकि, गोली किन परिस्थितियों में लगी यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है। सेना के अधिकारियों की ओर से मामले की गहन जांच की जा रही है। 11 जून को देर रात रोहित का शव गांव पहुंचा था। जवान का पार्थिक शरीर गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहां मौजूद लोगों की आखें भी नम हो गई। शुक्रवार को देश के लिए अपना बलिदान देने वाले वीर सैनिक का उनके पैतृक घाट बिनपुला में पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

इस दौरान देशभक्ति नारे और अमर बलिदानी रोहित रावत अमर रहें के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। घनसाली विधायक शक्ति लाल शाह, पूर्व विधायक भीमलाल आर्य, नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद बिष्ट, जिला पंचायत सदस्य विजय लाल, धनपाल बिष्ट, शौकिन भंडारी, हयात कंडारी, विजय गुनसोला, चंद्रमोहन नौटियाल, अनिल चौहान, भरत गुसाईं, केदार बर्थवाल, यशवंत गुसाईं,एसडीएम मंजू राजपूत और तहसीलदार महेशा शाह सहित बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने दिवंगत रोहित को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर अंतिम विदाई दी। बेटे की असमय मौत पर पिता सुरेंद्र सिंह,मां भीमा देवी, छोटे भाई मोहित और दादी का रो-रो कर बुराहाल है। गांव की हर आंखें नम थी। आस-पास क्षेत्र के लोगों का बलिदानी युवक के परिजनों को सांत्वना देने का सिलसिला दिनभर चलता रहा। विधायक ने कहा कि बलिदानी रोहित की याद में शीघ्र ही स्मृति द्वार बनाया जाएगा।

28 जून को चलेगा राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान

पौड़ी(आरएनएस)। जनपद में 28 जून को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान की तैयारियों के लिए शुक्रवार को विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अशोक जोशी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अभियान के तहत शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग के 50,404 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। जनपद की कुल आबादी 6.87 लाख से अधिक है व अभियान में 1,68,002 परिवारों और 1,174 ग्राम सभाओं को शामिल किया गया है। 815 पोलियो बूथ, 23 ट्रांजिट बूथ और आठ मोबाइल बूथ स्थापित किए जाएंगे। बूथ दिवस के बाद छूटे बच्चों को खुराक पिलाने के लिए 1,630 घर-घर भ्रमण दल तैनात किए जाएंगे, जिनमें 3,260 वैक्सीनेटर, 1,010 आशा कार्यकर्ता, 1,539 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और 265 सुपरवाइजर शामिल होंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि 29 व 30 जून को एनआईडी क्षेत्र व 29 जून से चार जुलाई तक एसएनसीडी क्षेत्र में घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। दुगड्डा विकासखंड के भाबर, कालागढ़, लक्ष्मणझूला, स्वर्गाश्रम, चिल्ला कुनाऊं और गंगाभोगपुर क्षेत्रों में विशेष अभियान संचालित किया जाएगा।

गुलदार के चंगुल से बकरी को छुड़ाया

विकासनगर(आरएनएस)। पछुवादून क्षेत्र के बदामावाला में चाय बागान के समीप एक गुलदार ने दिनदहाड़े बकरी पर हमला कर दिया। मालिक ने साहस दिखाते हुए किसी तरह से गुलदार से बकरी को छुड़ाया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग अपने बच्चों और मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। बदामावाला निवासी कालीचरण की बकरी सुबह घर के पास चर रही थी। इसी दौरान अचानक झाड़ियों से निकले गुलदार ने बकरी पर हमला बोल दिया और उसे घसीटकर ले जाने लगा। बकरी मालिक कालीचरण ने साहस दिखाते हुए किसी तरह गुलदार के चंगुल से बकरी को छुड़ाया, लेकिन तब तक बकरी गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से गुलदार चाय बागान और आसपास के इलाकों में लगातार देखा जा रहा है। कई बार वह आबादी के करीब भी पहुंच चुका है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। क्षेत्रवासियों ने इसकी शिकायत वन विभाग से भी की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। घटना के बाद क्षेत्र में लोग सतर्क हो गए हैं और बच्चों को अकेले बाहर भेजने से बच रहे हैं। लोगों ने वन विभाग की टीम से जल्द मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने और आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

नागथात में किसानों ने सीखे ऑफ सीजन सब्जी उत्पादन के गुर

विकासनगर(आरएनएस)। नागथात क्षेत्र में कैट प्लान योजना के अंतर्गत किसानों के लिए एक दिवसीय ऑफ सीजन सब्जी उत्पादन, भंडारण एवं प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें किसानों को आधुनिक तकनीकों और उन्नत खेती के तरीकों की जानकारी दी गई। वन प्रभाग चकराता और उद्यान विभाग देहरादून के संयुक्त तत्वावधान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान डॉ. अंकित टम्टा ने किसानों को ऑफ सीजन सब्जी उत्पादन, भंडारण और प्रसंस्करण की वैज्ञानिक तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सही तकनीक और बेहतर प्रबंधन से किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। ज्येष्ठ उद्यान निरीक्षक जेडी वर्मा ने उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियों के उत्पादन के लिए मिट्टी जांच की आवश्यकता और उसके लाभों के बारे में बताया। वहीं विजय सिंह नेगी और रीवर रेंज के वन दरोगा ने विभागीय योजनाओं और वन विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गई।

पौड़ी में शिक्षण संस्थानों और चारधाम मार्ग पर खुलेंगे आंचल कैफे

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने और दुग्ध उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए आंचल डेयरी ने पौड़ी जिले के प्रमुख शिक्षण संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और चारधाम यात्रा मार्ग पर आंचल कैफे स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। आंचल डेयरी के प्रधान प्रबंधक श्रवण कुमार शर्मा ने बताया कि जिले के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में आंचल कैफे स्थापित करने की योजना तैयार की जा रही है।

इसके तहत जीबी पंत इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान घुड़दौड़ी, राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीकोट, गढ़वाल केंद्रीय विवि के चौरास परिसर सहित राज्य व केंद्र सरकार के विभिन्न प्रमुख कार्यालयों में कैफे स्थापित करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इसके अलावा चारधाम यात्रा मार्ग पर भी उपयुक्त स्थानों का चयन किया जाएगा।

बताया कि आंचल कैफे के माध्यम से छात्रों, कर्मचारियों, स्थानीय नागरिकों और चारधाम यात्रियों को शुद्ध दूध व अन्य उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद आसानी से मिल सकेंगे, वहीं दुग्ध संघ की बिक्री और आय में भी बढ़ोतरी होगी। बताया कि विभाग को संभावित स्थलों का चिह्निकरण करने, संबंधित संस्थानों से स्वीकृति प्राप्त करने व परियोजना का विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग की ओर से चयनित स्थानों का सर्वेक्षण कर आय-व्यय का आकलन किया जाएगा और विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इसके बाद आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त कर कैफे स्थापना की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से दुग्ध उत्पादकों को अपने उत्पादों के लिए स्थायी बाजार मिलेगा जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। चारधाम यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को भी आंचल के गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद उपलब्ध हो सकेंगे।

चीन सीमा से लगे गांवो में चलेगा 'क्लीन द हिमालया' अभियान

मुनस्यारी (सं)। सोसायटी फॉर एक्सन इन हिमालया के बैनर तले बसे 16 जून मंगलवार से दो दिन चीन सीमा से लगे साढ़े दस हजार फिट की उचांई पर बसे मल्ला जोहर के नौ गांवों में क्लीन द हिमालया अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल से सहयोग मांगा गया है।

सोसायटी के अध्यक्ष जगत सिंह मर्तोलिया ने बताया बताया कि मल्ला जोहर के अधिकांश गांव सड़क मार्ग से जुड गए है। उन्होंने बताया कि 16 जून को बुर्फू से अभियान शुरू होकर उसी दिन बिलजू, मिलम, मापा, गनघर, पाछू जाएगा। 17 जून को मर्तोली, रिलकोट, लास्पा में ठोस अपशिष्ट को लेकर समुदाय के साथ बातचीत की जाएगी। चीन सीमा से लगे इन गांवों में रहने वाले समुदाय को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के गुर सिखाया जाएगा। बताया कि दैनिक जीवन में इसका बिना रुपए खर्च किए कैसे प्रबंधन हो सकता है, इस पर समुदाय को तैयार किया जाएगा। ज्ञात हो कि मिलम तक मोटर मार्ग सुचारु होने के बाद इस क्षेत्र में स्थानीय नागरिक तथा टूरिस्ट भारी संख्या में जा रहे है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नहीं होने के कारण उच्च हिमालय का यह क्षेत्र कूड़ा युक्त हिमालय भी बन सकता है। उन्होंने बताया कि हमें हिमालय को पर्यावरणीय दृष्टिकोण से संरक्षित एवं सुरक्षित रखना है। इसके लिए आम नागरिक का जागरूक होना जरुरी है। मल्ला जोहार विकास समिति भी इस अभियान का हिस्सा बनकर कार्य करेगी। समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मसक्तू ने बताया कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है। हिमनद, पानी तथा जीव जन्तु, पेड आदि को बचाना बेहद आवश्यक है।

लगातार तीसरी बार निर्विरोध प्रधान चुने गए तिलक राज

देहरादून (सं)। अखाडा शेरान समिति के वार्षिक चुनाव तिलक राज तीसरी बार अध्यक्ष चुने गये। आज परेड ग्राउंड स्थित एक रेस्टोरेंट में अखाड़ा शेरान समिति रजिस्टर्ड का वार्षिक चुनाव सम्पन्न हुआ। भरतीय पारम्परिक खेल कुश्ती को उत्तराखंड में और अधिक मजबूत करने के साथ -साथ स्थानीय युवाओ को इस खेल के प्रति प्रेरित कर नशे आदि की बुरी आदत से दूर रखने हेतु समिति का मुख्य उद्देश्य रहता है, कुश्ती दंगल का आयोजन प्रत्येक लगभग 50 वर्षो से नियमित समिति कराती आ रही है, जिसकी चर्चा देश के कई प्रदेशो में की जाती हैं। समय-समय पर समिति को सुचारु रूप से चलाने हेतु समिति की जिम्मेदारी चुनाव के जरिये समिति में से ही किसी व्यक्ति को सौपने का प्रावधान है। इसी कड़ी में आज अखाड़ा शेरान समिति रजिस्टर्ड के वार्षिक चुनाव परेड ग्राउंड स्थित एक रेस्टोरेंट मे सम्पन हुए जिसमे सर्वसम्मति से निर्विरोध प्रधान तिलक राज को लगातार तीसरी बार चुना गया है। और महामंत्री पद पर बृजेश चावला, कोषाध्यक्ष पद पर कुशलानंद सेमवाल को मनोनीत किया गया। चुनाव के दौरान सरदार देवेन्द्र सिंह, चन्दन सिंह, कमल सिंह,प्रदीप, रिन्कू,फकीर चन्द, नत्थू सिंह और चन्दर आदि शामिल रहे।

साइकिल रैली आयोजित कर जसपाल...

◄◄ पृष्ठ 2 का शेष

दिया कि शीघ्र ही इस संबंध में योजना बनाकर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने शूटिंग रेंज का भ्रमण किया, उस कक्ष को देखा जहाँ जसपाल राणा समय बिताया करते थे तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर उनके जीवन, संघर्ष और उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस श्रद्धांजलि रैली में प्रणय पंत, चित्रांग, अमन, मोहम्मद हारिस, सुरेंद्र सिंह, रुद्रप्रताप सिंह, मोनू, हरिसिमरन सिंह सहित देहरादून साइक्लिंग क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने जसपाल राणा के आदर्शों को आगे बढ़ाने तथा स्वस्थ, नशामुक्त एवं पर्यावरण-अनुकूल समाज के निर्माण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

भाई ने की थी भाई की हत्या, गिरफ्तार...

◄◄ पृष्ठ 1 का शेष

झूठी जानकारी देकर उकसाया गया तथा उनके साथ मिलकर अपने भाई सोहेल के शव को देहरादून पोन्टा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रखकर सड़क को जाम किया गया जिससे आमजन को काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ा।

जांच के दौरान सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी शाहिद नशे का आदी है तथा अक्सर अपने महंगे शोको को पूरा करने तथा दोस्तों के बीच रौब झाड़ने के लिये वह अपने घर वालो तथा बड़े भाई सोहेल से पैसे लिया करता था, उसकी गलत आदतों की वजह से उसका बड़ा भाई सोहेल उसे अक्सर टोकता रहता था तथा कई बार उसके द्वारा उस पर हाथ भी उठाया था। कुछ दिन पूर्व उनके माता पिता के हज पर जाने के बाद सोहेल को जानकारी हुयी कि उसके पिता का एटीएम, जो सोहेल के पास रहता था, उसे आरोपी द्वारा चोरी कर अपने पास रख लिया था तथा एटीएम के माध्यम से लगभग 10 लाख रूपये अपने पिता के खाते से निकालते हुये उसे अपनी अय्याशी में खर्च कर दिये थे। इस बात को लेकर सोहेल का आरोपी से विवाद हो गया था तथा सोहेल ने उसके ऊपर हाथ उठाते हुये उसके साथ मारपीट कर दी थी। मारपीट से क्षुब्ध होकर आरोपी ने सोहेल की हत्या की योजना बनायी तथा घटना को अंजाम देने के लिये पिछले 2 दिनों से घर के सारे कैमरों की रिकार्डिग को बन्द कर कैमरों को लाइव मोड पर रख दिया। योजना के मुताबिक आरोपी द्वारा मौका देखकर बीती रातं अपने पास रखी देशी पिस्टल से अपने भाई को गोली मारकर उसकी हत्या कर दी तथा घटना के बाद उक्त देशी पिस्टल को घर के बाथरूम में छिपाकर रख दिया।

उत्तराखंड के सीमांत जनपदों में दिखेगी विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक

संवाददाता

देहरादून। विकसित भारत वाइब्रेंट विलेज के द्वितीय चरण में 115 युवा प्रतिभागी शामिल हुए हैं, जो विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परंपराओं एवं जीवनशैली की झलक सीमांत क्षेत्रों में प्रस्तुत करेंगे।

आज यहां मेरा युवा भारत (माय भारत), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, आइटीबीपी तथा गृह मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में सीमांत क्षेत्रों के समग्र विकास तथा युवाओं में राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विकसित भारत वाइब्रेंट विलेज पेज 2 कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। द्वितीय चरण में 115 युवा प्रतिभागी शामिल हुए हैं, जो विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परंपराओं एवं जीवनशैली की झलक सीमांत क्षेत्रों में प्रस्तुत करेंगे। द्वितीय चरण में गोवा, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश ,उड़ीसा,मणिपुर,तेलंगाना, जम्मू कश्मीर से आए युवा प्रतिभागी कार्यक्रम का हिस्सा बने हैं। इन युवाओं को सीमांत क्षेत्रों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं विकासात्मक परिस्थितियों को निकटता से जानने और समझने का अवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 13 सीमांत गांवों का चयन किया गया है। प्रत्येक गांव में 7 से 8 प्रतिभागियों का एक समूह प्रवास करेगा। प्रत्येक समूह के साथ एक जिला युवा अधिकारी तथा एक स्वयंसेवक मार्गदर्शन एवं समन्वय के लिए उपस्थित रहेंगे। प्रतिभागी गांवों में जनजागरूकता, सामुदायिक संवाद एवं विकासोन्मुख गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करेंगे। साथ ही वे स्थानीय युवाओं एवं ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित कर उनके अनुभवों, चुनौतियों तथा विकास संबंधी आवश्यकताओं को समझेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत 14जून को देहरादून स्थित केनोपी होटल में प्रतिभागियों की रिपोर्टिंग के साथ हुई। रिपोर्टिंग के उपरांत भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के अधिकारियों द्वारा प्रतिभागियों को कार्यक्रम की अवधारणा, उद्देश्यों एवं महत्ता से अवगत कराया गया। साथ ही आईटीबीपी शिविर में प्रवास के दौरान सुरक्षा, अनुशासन एवं आवश्यक सावधानियों संबंधी दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए।

भाजपा राज में ना गरीब सुरक्षित ना महिलाः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में अनुसूचित जाति व महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता ने एक दिवसीय धरना दिया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि भाजपा राज में ना गरी सुरक्षित है ना ही महिलाएं।

आज यहां प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी सरकार के दस साल के राज में अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यक व महिला वर्ग पर अत्याचारों की बाढ़ आई हुई है और हालत इतने खराब हो चुके हैं कि भाजपा के संरक्षण में पले बड़े अराजक व उन्मादी तत्व अब भाजपा के नेताओं से संभाले नहीं संभल रहे यह बात आज उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग द्वारा प्रदेश में अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग अल्पसंख्यक वर्ग व महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ रहे अपराधों व हाल ही में टिहरी जनपद के प्रतापनगर में देवल गांव में घटित दलित वर्ग के केतन लाल की निर्मम हत्या के खिलाफ घंटाघर आंबेडकर पार्क में आयोजित एक दिवसीय धरने पर बैठे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। धस्माना ने कहा कि जिस प्रकार से टिहरी जिले के प्रतापनगर विधानसभा में देवल गांव में केतन लाल नामक अनुसूचित जाति के युवा को प्रेम प्रसंग के मामले में युवती के पिता व रिश्तेदारों के कहने पर युवती ने फोन कर बुलवाया और फिर उसको और उसके दोस्त को बंदी बना कर अमानवीय प्रताड़नाएं दीं जिसके कारण उसकी मौत हो गई यह साबित करने के लिए काफी है कि राज्य में नफरत और हिंसा की खेती जो भाजपा सरकार के संरक्षण में उन्मादी व दंगाई किस्म के लोग कर रहे हैं इसका नतीजा केतन लाल जैसे निरीह दबे कुचले लोगों को अपनी जान दे कर भुगतना पड़ रहा है।

धरने का नेतृत्व कर रहे प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग अध्यक्ष मदन लाल ने कहा कि आज पूरे प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग पिछड़े वर्ग व अल्पसंख्य वर्ग के लोगों के साथ अत्याचार की घटनाएं जिस प्रकार से बढ़ रही हैं उससे पूरे प्रदेश में यह वर्ग अपने आप को भाजपा राज में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉक्टर जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि चाहे प्रतापनगर की घटना हो या प्रतापनगर की और चाहे अंकिता भंडारी प्रकरण हो या सल्ट , चंपावत और संत्रेषा की आपराधिक वारदातें असली बात यह है कि प्रदेश सरकार की पुलिस व्यवस्था पस्त हो चुकी है और अपतलराधियों के हौसले आसमान पर हैं इसलिए प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट है।

मुनस्यारी में भर्ती पूर्व प्रशिक्षण कोचिंग शुरु, वर्षभर चलेंगे प्रशिक्षण कार्यक्रम

हमारे प्रतिनिधि

मुनस्यारी। सामुदायिक पुस्तकालय की पहल पर सोमवार से भर्ती पूर्व प्रशिक्षण कोचिंग प्रारंभ हो गया है। पहले दिन प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के कायदे-कानून बताए गए। फिजिकल एवं थ्योरीटिकल पार्ट से सीमांत क्षेत्र के यंग मास को भर्ती के लिए दक्ष बनाया जाएगा। अब घर पर भी बार्डर क्षेत्र के युवाओं को सैन्य अकादमी जैसे अवसर मिलेंगे।

सामुदायिक पुस्तकालय की पहल पर अब वर्षभर निशुल्क भर्ती पूर्व प्रशिक्षण कोचिंग संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण में फिजिकल पार्ट के लिए मां भराडी देवी फिजिकल एकेडेमी ने निशुल्क सेवा देने का निर्णय लिया है। एकेडमी के प्रशिक्षक जीत लसपाल तथा भावेश हरकोटिया प्रशिक्षण में प्रशिक्षक की भूमिका अदा करेंगे।

आईटीबीपी तथा अन्य फोर्सेज के रिटायर्ड सैनिक एवं अफसर भी प्रशिक्षक के रूप में युवाओ को प्रशिक्षित करेंगे। थ्योरिकल क्लास सामुदायिक पुस्तकालय में संचालित किए जाएंगे। आईटीबीपी के रिटायर्ड निरीक्षक टीएस जेष्ठा ने प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को बताया कि एक बार परिश्रम करने की आवश्यकता है। उसके बाद ही सफल जीवन की शुरुआत होती है। उन्होंने कहा यहा के युवा भर्ती के योग्य है। बस उन्हे अनुशासित होकर तैयारी करने की आवश्यकता है। सामुदायिक पुस्तकालय अवधारणा के जनक जगत सिंह मर्तोलिया ने बताया कि इस प्रशिक्षण को 12 महिने संचालित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी के साथ भारतीय सेना तथा उत्तराखंड पुलिस की भी मदद समय-समय पर प्रशिक्षण में रोचकता लाने के लिए ली जाएगी।

पंजाब का भगोड़ा उत्तराखण्ड से गिरफ्तार

❑पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये भगोड़े अपराधी तक पहुंचाये गये थे हथियार व स्मैक

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड को शरणस्थली बनाने वाले पंजाब के एक शातिर बदमाश को एसटीएफ उत्तराखण्ड, पंजाब पुलिस व बाजपुर थाना पुलिस ने एक संयुक्त कार्यवाई के बाद गिरफ्तार कर लिया है। बीती 23 मई को आरोपी बदमाश पंजाब पुलिस की छापेमारी के दौरान फरार होने में सफल रहा था जिसके घर से पंजाब पुलिस ने भारी मात्रा में हरियार व ड्रग्स बरामद की थी। जिसको आरोपी के पास पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये पहुंचाया गया था।

एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि आज सुबह उत्तराखण्ड एसटीएफ, पंजाब पुलिस व बाजपुर पुलिस के ज्वाइंट ऑप्रेशन में जनपद ऊधमसिंह नगर के मौहल्ला केशवनगर, बाजपुर से पंजाब के भगोड़े अपराधी ईशानप्रीत सिंह पुत्र जगजीत सिंह, निवासी गली नं. 1, सुरता सिंह कॉलोनी, नारायणगढ़, थाना छेहर्टा, अमृतसर सिटी को गिरफ्तार किया गया है। बताया कि बीती 23 मई को अमृतसर, पंजाब में नशा एवं हथियार तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स अमृतसर एवं बीएसएफ टीम द्वारा एक संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया गया। यह कार्रवाई ईशानप्रीत सिंह पुत्र जगजीत सिंह, निवासी गली नं. 1, सुरता सिंह कॉलोनी, नारायणगढ़, थाना छेहर्टा, अमृतसर सिटी के आवास पर रेड की गई। सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीम को देखते ही आरोपी ईशानप्रीत सिंह मकान की छत से छलांग लगाकर पीछे की ओर से फरार हो गया। तलाशी के दौरान उसके घर से भारी मात्रा में हथियार एवं मादक पदार्थ बरामद किए गए, जिनमें 12 पिस्टल, 3 बरेटा पिस्टल, 3 जिगाना पिस्टल, 6 मेड इन चाइना पिस्टल, 20 मैगजीन व 900 ग्राम हेरोइन शामिल थी।

एसएसपी एसटीएफ ने बताया कि पंजाब पुलिस से सम्पर्क करने पर ये बात सामने आयी कि ईशानप्रीत के पास सीमा पार पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये बार्डर पर ये हथियार व ड्रग्स पहुँचाये गयी थी। तब से पंजाब पुलिस व सुरक्षा बलों द्वारा उसकी तलाश के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे थे। इसी बीच उत्तराखण्ड एसटीएफ को पंजाब पुलिस के माध्यम से ईशानप्रीत के उत्तराखण्ड में जनपद ऊधमसिंह नगर में होने की सूचना दी गयी जिसपर एक टीम को इस टास्क पर लगाया गया , आज तड़के एसटीएफ उत्तराखंड व पंजाब पुलिस की एएनटीएफ व स्थानीय पुलिस टीम द्वारा चलाये गये ज्वाइंट ऑप्रेशन में बाजपुर के केशवनगर से इस अपराधी को गिरफ्तार किया गया। जिसे पूछताछ के उपरान्त पंजाब पुलिस के सुपुर्द किया गया।

मुख्यमंत्री धामी ने खेत में चलाया टिलर

●पारंपरिक कृषि और जैविक खेती को बढ़ावा देने का दिया संदेश

संवाददाता

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने निजी आवास नगला तराई स्थित खेत में स्वयं टिलर चलाकर खेत की जुताई की तथा खेत में गोबर की प्राकृतिक खाद डालकर जैविक एवं पारंपरिक खेती को बढ़ावा देने का संदेश दिया। इस दौरान उनकी माता श्रीमती बिशना देवी भी उनके साथ उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने खेत में श्रम करते हुए किसानों के परिश्रम और कृषि परंपराओं के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि खेती केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आत्मा है। आधुनिक तकनीक के साथ पारंपरिक और

प्राकृतिक खेती को अपनाकर कृषि को अधिक समृद्ध एवं टिकाऊ बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोबर की खाद जैसी प्राकृतिक पद्धतियां भूमि की उर्वरता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को आधुनिक बनाने और जैविक उत्पादों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पहचान कृषि, ग्रामीण संस्कृति और प्रकृति से जुड़ी हुई है। राज्य सरकार पारंपरिक खेती, बागवानी, प्राकृतिक कृषि और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को सहायता उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को भी खेती और ग्रामीण विकास से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधरोपण

संवाददाता

खटीमा। खटीमा स्थित पूर्णागिरि मंदिर परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वच्छता अभियान चलाते हुए मंदिर परिसर में साफ-सफाई की तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि स्वच्छ और स्वस्थ उत्तराखंड के निर्माण के लिए सभी नागरिक अपने घर, मोहल्ले और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लें तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाकर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण जनभागीदारी से ही एक जनआंदोलन का रूप ले सकते हैं।

चोरी के माल सहित चोर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कम्पनी से चुराये गये लाखों रूपये के माल सहित पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते 13 जून को रघुल पुत्र बास्करण हाल निवासी रासी न्यूट्री फूड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड किशनपुर जमालपुर द्वारा थाना भगवानपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि रासी न्यूट्री फूड्स इंडिया लिमिटेड कंपनी किशनपुर जमालपुर से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उक्त कम्पनी से 1-पंजीरी एसएएम (हरा रंग) 25 बैग वजन 595 किलो मूल्य 36384 रुपये, 2- हलवामिक्स एसएएम हरा रंग 147 बैग वजन 3455 किलो चोरी कर ली गयी है। मामले मे

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान लगातार की गई मेहनत एवं सटीक पुलिस कार्यवाही के फलस्वरूप आरोपित गोपाल उर्फ मोनू पुत्र जसबीर निवासी लिब्बरहेड़ी थान मंगलौर जिला हरिद्वार को शत प्रतिशत 126 हलवा मिक्स कट्टे रंग हरा 8 कट्टे मिलेट लड्डू रंग गुलाबी व 26 कट्टे हलवामिक्स रंग सफेद कुल 160 कट्टे जिसकी कुल कीमत (2,45000/-) के साथ पकड़ा गया। जिसे न्यायालय मे पेश कर जेल भेज दिया गया है।

धर्मनगरी में सोमवती अमावस्या पर उमड़ा आस्था का सैलाब

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर धर्मनगरी हरिद्वार में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। तड़के सुबह से ही हर की पैड़ी, ब्रह्मकुंड, मालवीय घाट, सुभाष घाट एवं कुशा घाट समेत सभी प्रमुख गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से आए श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। पूरे शहर में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा।

मेले के सफल एवं सुरक्षित संचालन के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग पूरी तरह मुस्तैद रहा। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने स्वयं विभिन्न घाटों एवं संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए।

प्रशासन द्वारा मेले को विभिन्न सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक सेक्टर में नोडल अधिकारी एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी। सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि किसी भी स्थान पर अत्यधिक भीड़ एकत्रित न होने पाए और श्रद्धालुओं का आवागमन सुचारु रूप से चलता रहे। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन एवं कंट्रोल रूम के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र की लगातार निगरानी की गई। आपात स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ/एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, मेडिकल टीम एवं एम्बुलेंस सेवाएं अलर्ट मोड पर रहीं। घाटों पर बैरिकेडिंग, अनाउंसमेंट सिस्टम एवं दिशा-निर्देशों के माध्यम से श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन दिया जाता रहा।

यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए शहर में विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया, जिसके तहत विभिन्न मार्गों पर डायवर्जन एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई। बाहरी जनपदों से आने वाले वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग स्थल बनाए गए, जहां से श्रद्धालुओं को शटल सेवा के माध्यम से घाटों तक पहुंचाया गया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।